



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 22, 2013/वैशाख 2, 1935

No. 197]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 22, 2013/VAISAKHA 2, 1935

रक्षोपाय महानिदेशालय

(सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क)

रक्षोपाय जांच की थ्रुआत संबंधी सूचना

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2013

[सीमा शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997]

विषय : भारत में “लौह या गैर-एलॉय इस्पात के सीमलैस पाइपों, ट्यूबों तथा होलो प्रोफाइलों” के आयातों के बारे में रक्षोपाय जांच की थ्रुआत ।

सा.का.नि.261(अ).—भारत में “लौह या गैर-एलॉय इस्पात के सीमलैस पाइपों, ट्यूबों तथा होलो प्रोफाइलों” के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए मै0 जिंदल सॉ लि�0, जिंदल सेंटर, 12, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066 और मै0 आईएसएमटी, लुंकाड टावर्स, विमान नगर, पुणे-411014 द्वारा सीमा शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997 के नियम 5 के अंतर्गत मेरे समक्ष एक आवेदन दायर किया गया है ताकि लौह या गैर-एलॉय इस्पात के सीमलैस पाइपों, ट्यूबों तथा होलो प्रोफाइलों के संवर्धित आयातों द्वारा हुई गंभीर क्षति/गंभीर क्षति के खतरे से सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के घरेलू उत्पादकों की रक्षा की जा सके ।

2. घरेलू उद्योग: सीमलैस पाइपों और ट्यूबों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए वर्तमान आवेदन मै0 जिंदल सॉ लि�0, जिंदल सेंटर, 12, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066 और मै0 आईएसएमटी, लुंकाड टावर्स, विमान नगर, पुणे-411014 द्वारा संयुक्त रूप से दायर किया गया है। आवेदकों का उत्पादन भारत में सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक बनता है। याचिका का समर्थन मै0 महाराष्ट्र सीमलैस लि�0 (एम एस लि�0), जिंदल कारपोरेट सेंटर, प्लॉट सं0 30, इंस्टीट्यूशनल सेक्टर-44, गुडगांव-122001 द्वारा भी किया गया है।

3. शामिल उत्पाद: यह आवेदन संगत मानकों के अंतर्गत यथा विनिर्दिष्ट सद्य सीमा वाले 273.1 मि.मि. से अनधिक के बाय व्यास (ओ डी) के लौह, एलॉय या गैर-एलॉय इस्पात (छलवां लोहे और स्टेन लैस स्टील से इतर) के सीमलैस ट्यूबों, पाइपों तथा हॉलो प्रोफाइलों चाहे वे हॉट फिनिश या कोल्ड ड्रान या कोल्ड रोल्ड हो, (जिन्हें आगे सीमलैस पाइप तथा ट्यूब कहा गया है) के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए दायर किया गया है जिनमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैं :

1. विनिर्देशन एएसटीएम ए213/एएसएमईएसए 213 तथा एएसटीएम ए335/एएसएमई एसए 335 अथवा समतुल्य बीआईएस/आईडीएन/बीएस/ईएन या किसी अन्य समतुल्य विनिर्देशन के सीमलैस एलॉय-इस्पात के पाइप, ट्यूब तथा हॉलो प्रोफाइल।
2. ग्रेड क्यू-125, 13सीआर,एल-80,पी110,सी-90सी-95,टी-90 तथा टी-95 के गैर- एपीआई तथा पेटेटेड प्रीमियम ज्वाइंट्स/प्रीमियम कनैक्शन/प्रीमियम थ्रेडेट ट्यूब तथा पाइप।
3. सभी 13 क्रोमियम (13 सीआर) ग्रेड के ट्यूब और पाइप, जो उपर्युक्त (2) में शामिल नहीं हैं, और
4. ड्रिल कॉलर्स।

विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 73 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 73.04 के अंतर्गत वर्गीकृत है। जिन विभिन्न वर्गीकरणों के अंतर्गत विचाराधीन उत्पाद को वर्गीकृत किया जा सकता है, उन वर्गीकरणों की एक सांकेतिक सूची नीचे दी गई है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद का आयात 8 अंकीय वर्गीकरण के अंतर्गत किया जाता है :-

73041910;73041920;73041990;73042310;73042390;73042910;73042990;73043111;73043119;73043121;73043129;73043131;73043139;73043911;73043919;73043921;73043929;73043931;73043939;73045110;73045120;73045130;73045910;73045920;73045930;73049000:

4. जांच अवधि (पीओआई): वर्तमान आवेदन भारत में सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के संवर्धित आयात द्वारा घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति/गंभीर क्षति के खतरे पर आधारित एक नया मामला है। इस मामले में जांच अवधि वर्ष 2009-10 से लेकर वर्ष 2012-13 तक की है।

5. सूचना का स्रोत: विचाराधीन उत्पाद के लिए आयात के आंकड़े दिसंबर, 2012 तक आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत डी जी सी आई एस से लिए गए हैं और विश्लेषण हेतु इन पर भरोसा तथा विचार किया गया है। आवेदक द्वारा वर्ष 2009-10 से 2012-13 (जून, 2012 तक) के घरेलू आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं जबकि विभाग द्वारा दिसंबर, 2012 तक के आंकड़ों का सत्यापन घरेलू उद्योग की विनिर्माण इकाइयों के मौके पर दौरै कर किया गया है। क्षति विश्लेषण हेतु सत्यापित आंकड़ों पर विचार किया गया है।

6. संवर्धित आयात: भारत में सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के आयातों में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। डी जी सी आई एस के अनुसार वर्ष 2009-10 और उससे आगे सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के आयातों से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:

वित्तीय वर्ष	कुल आयात (मी.टॉन)	आयात सूचकांक
2009-10	307581	100
2010-11	344829	112
2011-12	425194	138
2012-13 (तिम्ही 1)	99880	
2012-13 (तिम्ही 2)	76118	
2012-13 (तिम्ही 3)	104335	
2012-13 (वार्षिकीकृत)	373777	122

यह स्पष्ट होता है कि क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के आयातों में तेजी से वृद्धि हुई है। आयात वर्ष 2009-10 में 307581 मी.ट. से बढ़कर वर्ष 2012-13(वार्षिकीकृत) में 373777 मी.ट. हो गए हैं जिनमें 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यद्यपि वर्ष 2011-12 की तुलना में 2012-13 (वार्षिकीकृत) में गिरावट आई है तथापि, वर्ष 2012-13 में तिम्ही 3 तक तिमाहीवार विश्लेषण से 2012-13 की तिम्ही 2-तिम्ही 3 से समग्र आधार पर तेजी से हुई वृद्धि प्रदर्शित होती है।

7. घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति: आवेदकों (जिन्हें आगे घरेलू उद्योग कहा गया है) ने यह दावा किया है कि सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के संवर्धित आयातों से सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है और उसका खतरा उत्पन्न हो गया है। हाल की अवधि में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक बन गई है और वह खपत में वृद्धि की दर के अनुरूप अपना उत्पादन तथा बिक्री बढ़ाने में असमर्थ है। घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति के खतरे का स्पष्ट संकेत आवेदकों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों से मिलता है जैसाकि नीचे उल्लेख किया गया है:

क) उत्पादन: घरेलू उद्योग के उत्पादन में वित्त वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हुई और उसके बाद उसमें भारी गिरावट आई। घरेलू उद्योग का उत्पादन सूचकांक वर्ष 2011-12 में 142 से घटकर 2012-13 (वार्षिकीकृत) में 116 हो गया जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

वित्त वर्ष	उत्पादन (मी.ट.)	उत्पादन सूचकांक
2009-10	224216	100
2010-11	283619	126
2011-12	318968	142
2012-13(दिसं. 2012)	195752	
2012- 13 (वार्षिकीकृत)	261003	116

ख) कुल उत्पादन की तुलना में संवर्धित आयात: भारत में सीमलैस पाइपों और ट्यूबों का आयात कई देशों और मुख्यतः चीन तथा इटली से किया जाता है। सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के आयातों में समग्र रूप में और कुल उत्पादन की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। वित्त वर्ष 2009-10 से 2012-13 के दौरान सीमलैस पाइपों और ट्यूबों का आयात और उत्पादन निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष	कुल उत्पादन (मी.ट.)	अखिल भारतीय उत्पादन (मी.ट.)	कुल उत्पादन के संबंध में आयात में % वृद्धि
2009-10	307581	422820	73
2010-11	344829	538554	64
2011-12	425194	583780	73
2012-13 (वार्षिकीकृत)	373777	417511	90

आयात वर्ष 2009-10 में 307581 मी.ट. से बढ़कर 2012-13 में 373777 मी.ट. (वार्षिकीकृत) हो गए हैं जिनमें 22 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित होती है। कुल उत्पादन के संबंध में आयात वर्ष 2009-10 में 73 प्रतिशत था जो बढ़कर 2012-13 (वार्षिकीकृत) में 90 प्रतिशत हो गया।

ग) बाजार हिस्सा और बिक्री के स्तरों में परिवर्तन: हाल की अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में तेजी से गिरावट आई है जबकि आयात के हिस्से में भारी वृद्धि हुई है। आवेदकों का बाजार हिस्सा वर्ष 2009-10 में 26 प्रतिशत था जो 2010-11 में बढ़कर 27 प्रतिशत हो गया।

तथापि, परवर्ती वर्षों में यह 2011-12 में घटकर 25 प्रतिशत और 2012-13 में आगे और घटकर 23 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि के दौरान आयात का बाजार हिस्सा वर्ष 2009-10 में 55 प्रतिशत से बढ़कर 2012-13 (वार्षिकीकृत) में 64 प्रतिशत हो गया।

मी.ट. में

वित्त वर्ष	आयात	घरेलू उद्योग की बिक्री	अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	कुल मांग	बाजार हिस्से का %	
					घ.उ.	आयात
2009-10	307581	143017	104823	555420	26	55
2010-11	344829	168740	101020	614589	27	56
2011-12	425194	170826	93386	689406	25	62
2012-13(दिसं.)	280333	101126				
2012- 13 (वार्षिकीकृत)	373777	134835	77910	586522	23	64

यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री में वित्त वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हुई तथापि, हाल ही की अवधि में यह वर्ष 2011-12 में 170826 मी.ट. से घटकर 2012-13 (वार्षिकीकृत) में 134835 हो गई। उत्पाद की मांग वर्ष 2009-10 में 555420 से अत्यधिक बढ़कर 2012-13 (वार्षिकीकृत) में 586522 मी.ट. हो गई। इससे इस बात का स्पष्ट पता चलता है कि घरेलू उद्योग को बिक्री और बाजार हिस्से को भारी नुकसान संवर्धित आयातों के कारण हुआ है।

घ) **क्षमता उपयोग:** संवर्धित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादकों की काफी अधिक उत्पाद क्षमता अप्रयुक्त रही। हाल की अवधि में घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 2009-10 में 60 प्रतिशत से तेजी से घटकर 2012-13 में 38 प्रतिशत हो गया जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

वित्त वर्ष	स्थापित क्षमता (मी.ट.)	उत्पादन (मी.ट.)	क्षमता उपयोग (%)
2009-10	375000	224216	60
2010-11	685000	283619	41
2011-12	685000	318968	47
2012-13 (वार्षिकीकृत)	685000	261003	38

(उ.) **लाभ/हानि**—घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तेजी से गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को अब वित्तीय घाटा हो रहा है। यह निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है:-

वित्त वर्ष	लाभप्रदता (सूचीबद्ध)
2009-10	100
2010-11	76
2011-12	102
2012- 13(दिसं.) 2012)	23

च) मालसूची – आयातों में वृद्धि और बाजार हिस्से के नुकसान को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की मालसूची में भी भारी वृद्धि हुई है। निम्नलिखित तालिका में मालसूची के स्तर दर्शाए गए हैं जिससे यह वर्ष 2009-10 में 5691 मी.ट. से अत्यधिक बढ़कर 2012-13 (दिसंबर) में 14170 मी.ट. हो जाने के कारण घरेलू उद्योग की दयनीय स्थिति का पता चलता है।

वित्त वर्ष	माल सूची (मी.ट. में)
2009-10	5691
2010-11	8805
2011-12	9583
2012-13(दिसं. 2012)	14170

छ) उत्पादकता और रोजगार: बढ़ती हुई क्षमता के अनुरूप रोजगार के स्तर में वृद्धि हुई है। उत्पादकता में भी वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हो रही थी परंतु अब 2012-13 में उसमें गिरावट आई है। बाजार हिस्से के नुकसान और मालसूची के अधिक संचयन से घरेलू उद्योग को उत्पादन स्थिर रखना पड़ा और उत्पादकता में गिरावट का सामना करना पड़ा।

वित्त वर्ष	उत्पादन (मी.ट.)	रोजगार (सं..)	प्रति कर्मचारी उत्पादकता (मी.ट.)
2009-10	224216	2245	100
2010-11	283619	2388	118
2011-12	318968	2567	124
2012-13(वार्षिकीकृत)	261003	2469	105

8. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में भारत में हुए सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के आयातों पर चार वर्ष की अवधि के लिए तुरंत रक्षोपाय शुल्क लागू करने का अनुरोध किया है। विचाराधीन उत्पाद के संवर्धित आयातों के परिणामस्वरूप हड्डी गंभीर क्षति और गंभीर क्षति के उत्पन्न खतरे के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में तेजी से आई गिरावट के मद्देनजर उसने अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लगाने का भी अनुरोध किया है।

9. आवेदन की जांच की गई है और यह पाया गया है कि सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के प्रथमदृष्ट्या संवर्धित आयातों के कारण सीमलैस पाइपों और ट्यूबों के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है और गंभीर क्षति का खतरा बना हुआ है और इसलिए इस सूचना के जरिए इस मामले में जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

10. सभी हितबद्ध पक्षकार इस सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत करा सकते हैं:

महानिदेशक (रक्षोपाय)
 भाई वीर सिंह साहित्य सदन, दूसरा तल,
 भाई वीर सिंह मार्ग,
 गोल मार्किट, नई दिल्ली-110001
 भारत
 टेलीफोन: 011-23741537
 फैक्स: 011-23741542
 ई-मेल : dgsafeguards@nic.in

11. सभी जात हितबद्ध पक्षकारों को अलग से भी लिखा जा रहा है।

12. इस जांच के लिए कोई अन्य पक्षकार, जो यह चाहता है कि उस पर हितबद्ध पक्षकार के रूप में विचार किया जाए, वह अपना अनुरोध कर सकता है जिसे इस सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर उपर्युक्त पते पर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास पहुंच जाना चाहिए।

[फा. सं. डी-22011/17/2012]

जी.एस.सरना, महानिदेशक

**DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS
 (CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE)
 NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION**

New Delhi, the 22nd April 2013

[Under Rule 6 of the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

Sub: Initiation of Safeguard Investigation concerning Imports of “Seamless pipes, Tubes and Hollow profiles of iron or non-alloy steel” into India.

G.S.R. 261(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997, by M/s. Jindal Saw Ltd., Jindal Centre, 12 Bhikaji Cama Place, New Delhi -110066 and M/s ISMT, Lunkad Towers, Viman Nagar, Pune 411014 for imposition of Safeguard Duty on imports of “Seamless pipes, Tubes and Hollow profiles of iron or non-alloy steel” into India to protect the domestic producers of Seamless Pipes and Tubes against serious injury /threat of serious injury caused by the increased imports of Seamless pipes, Tubes and Hollow profiles of iron or non-alloy steel.

2. Domestic Industry: The application has been jointly filed by M/s. Jindal Saw Ltd., Jindal Centre, 12 Bhikaji Cama Place, New Delhi -110066 and M/s ISMT, LunkadTowers, Viman Nagar, Pune 411014 for imposition of Safeguard Duty on imports of Seamless pipes and tubes. The applicants account for more than 50% of the total production of Seamless pipes and tubes in India. The petition is also supported by M/s Maharashtra Seamless Ltd. (MSL), Jindal Corporate Centre, Plot No.30, Institutional Sector-44, Gurgaon-122001.

3. Product Involved: The present application is filed for imposition of Safeguard duty on imports of Tubes, Pipes and Hollow Profiles, Seamless of iron, alloy or non alloy steel(other than cast iron and stainless steel) whether hot finished or cold drawn or cold rolled, of external diameter not exceeding 273.1 mm (O.D) with the tolerance as specified under relevant standards (herein after referred to as Seamless Pipes and Tubes) excluding :

1. Seamless alloy-steel pipes, tubes and hollow profiles of specification ASTM A213/ASME SA 213 and ASTM A335 /ASME SA 335 or equivalent BIS/DIN/BS/EN or any other equivalent specifications
2. Non-API and Patented Premium Joints/Premium Connections/Premium Threaded Tubes & Pipes of grades Q-125, 13CR,L-80,P110,C-90C-95,T-90 & T-95
3. All 13 Chromium (13CR) Grades Tubes and Pipes not included in(2) above and
4. Drill Collars.

The product under consideration is classified under Customs sub-heading No.73.04 of Chapter 73 of the Customs Tariff Act 1975. An indicative list of the various classifications under which the product under consideration may be classified into is provided below as the product under consideration is imported under 8 digit level classification:-

73041910;73041920;73041990;73042310;73042390;73042910;73042990;73043111;73043119;
73043121;73043129;73043131;73043139;73043911;73043919;73043921;73043929;73043931:
73043939;73045110;73045120;73045130;73045910;73045920;73045930;73049000:

4. Period of investigation (POI): Present application is a fresh case based on serious injury /threat of serious injury to domestic industry caused by increased import of Seamless Pipes and Tubes into India. The POI in the case has been taken from 2009-10 onwards till 2012-13.

5. Source of information: The import data for the product under consideration has been taken from DGCIS as submitted by the applicant till December, 2012 and same has been relied upon and taken into consideration for analysis. The domestic data from 2009-10 to 2012-13(up to June, 2012) has been submitted by the applicant whereas the data up to December, 2012 has been verified by onsite visits to the manufacturing units of the domestic industry by the department. The verified data has been taken into consideration for injury analysis.

6. Increased Imports: Imports of Seamless Pipes and tubes into India have shown significant increase. The data relating to imports of Seamless Pipes and Tubes from 2009-10 onwards as per DGCIS data, is as under:

Financial Year	Total Import (MT)	Import Indexed
2009-10	307581	100
2010-11	344829	112
2011-12	425194	138
2012-13 (Q1)	99880	
2012-13 (Q2)	76118	
2012-13 (Q3)	104335	
2012-13 (Annualized)	373777	122

It is evident that imports of the product under consideration have sharply increased during the injury period. The imports have increased from 307581 MT in 2009-10 to 373777 MT till 2012-13 (Annualized.) recording an increase of 22 %. Even though there is a decline in 2012-13(annualized) over 2011-12, but quarter wise analysis in 2012-13 till Q3 shows a sharp rising trend from Q2-Q3 2012-13 on absolute basis.

7. Serious Injury to the Domestic industry: The applicants (hereinafter referred to as DI) have claimed that the increased imports of Seamless Pipes and Tubes have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of Seamless Tubes and Pipes. The growth of DI has turned negative in recent period and is unable to increase its production and sales in tandem with the rate of increase in consumption. The threat of serious injury to domestic industry is clearly visible from the data provided by the applicants as detailed below :

a) Production: The domestic production of DI increased up to FY2011-12, but declined drastically thereafter. The production index of Domestic Industry fell to 116 in 2012-13(Annualized) from 142 in FY 2011-12, as shown below:

Financial Year	Production (MT)	Production Indexed
2009-10	224216	100
2010-11	283619	126
2011-12	318968	142
2012-13(Dec. 2012)	195752	
2012-13(Annualized)	261003	116

b) Increased Imports w.r.t total production: Seamless Pipes and Tubes are imported into India from a number of countries, and mainly from China and Italy. The imports of Seamless Pipes and Tubes have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the total production. The imports and production of Seamless Pipes and Tubes during financial year 2009-10 to 2012-13 are as under:

Financial Year	Total Imports (MT)	All India Production (MT)	% of Increase in import with respect to production
2009-10	307581	422820	73
2010-11	344829	538554	64
2011-12	425194	583780	73
2012-13 (Annualised)	373777	417511	90

The Imports have increased from 307581 MT in 2009-10 to 373777 MT in 2012-13(Annualised) which shows an increase of 22%. The import with respect to total production was 73 % in 2009-10 and increased to 90% in 2012-13(Annualised).

c) Market Share & Changes in levels of Sales: The market share of the DI has declined sharply in the recent period whereas share of the import has increased significantly. Applicants had a market share of 26% in 2009-10, it has increased to 27% in year 2010-11. However, in subsequent years it fell to 25% in 2011-12 and further to 23% during 2012-13. During the same period, market share of import has increased from 55% in 2009-10 to 64% in 2012-13(Annualized).

Financial Year	Import	Sales of DI	Sales of other Indian Producers	Total Demand	In MT	
					DI	Import
2009-10	307581	143017	104823	555420	26	55
2010-11	344829	168740	101020	614589	27	56
2011-12	425194	170826	93386	689406	25	62
2012-13(Dec.)	280333	101126				
2012-13(Annualized)	373777	134835	77910	586522	23	64

Though the sales of the domestic industry increased up to FY 2011-12, it declined in the most recent period from 170826 MT in 2011-12 to 134835 MT in 2012-13(annualized). The demand of the product increased significantly from 555420 MT in 2009-10 to 586522 MT in 2012-13(annualized). It clearly shows that the DI suffered noticeable loss in sales as well as market share, caused by increased imports

d) Capacity Utilization: The increasing imports are resulting in significant idling of production capacity of the domestic producers. The capacity utilization by the DI has sharply declined in recent period from 60% in 2009-10 to 38% in 2012-13 as can be seen in the Table below:

Financial Year	Installed Capacity(MT)	Production(MT)	Capacity Utilisation (%)
2009-10	375000	224216	60
2010-11	685000	283619	41
2011-12	685000	318968	47
2012-13 (Annualized)	685000	261003	38

e) Profit/loss –The profitability of the domestic industry has steeply deteriorated and the domestic industry is now suffering financial losses. This is evident from the table below:—

Financial Year	Profitability (Indexed)
2009-10	100
2010-11	76
2011-12	102
2012-13(Dec). 2012)	23

f) Inventories – In view of surging imports and loss of market share, the inventories with the domestic industry have also increased significantly. The table below depicts the inventory levels which have witnessed a massive surge from 5691 MT in 2009-10 to 14170 MT in 2012-13(December) reflecting the plight of the domestic industry.

Financial Year	Inventory (in MT)
2009-10	5691
2010-11	8805
2011-12	9583
2012-13(Dec. 2012)	14170

g) Productivity & Employment: There is increase in the level of employment keeping in tandem with increasing capacity. The productivity too had been rising till 2011-12 but has since gone down during 2012-13. Due to loss of market share and accumulation of high inventory, the DI had to stagger the production and face drop in productivity.

Financial Year	Production (MT)	Employment (Nos.)	Productivity per employee(MT)
2009-10	224216	2245	100
2010-11	283619	2388	118
2011-12	318968	2567	124
2012-13(Annualised)	261003	2469	105

8. The DI has requested in their application for immediate imposition of Safeguard duty on imports of Seamless pipes and tubes into India for a period of four years. They have also requested for imposition of provisional Safeguard duty in view of the steep deterioration in performance of the domestic industry due to serious injury and threat to serious injury as a result of increased imports of the product under consideration.

10. The application has been examined and it has been found that *prima facie* increased imports of Seamless Pipes and Tubes have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of Seamless Pipes and Tubes and as such it has been decided to initiate an investigation in the matter through this notice.

10. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:

The Director General (Safeguards)
Bhai Vir Singh Sahitya Sadan; 2nd Floor,
Bhai Vir Singh Marg,
Gole Market, New Delhi-110 001,
INDIA.
Telephone: 011-23741537
FAX: 011-23741542
E-mail: dgsafeguards@nic.in

11. All known interested parties are also being addressed separately.

12. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) on the aforementioned address within 21 days from the date of this notice.

[F.No. D-22011/17/2012]
G.S SARNA, Director General